हिन्दुस्तान जिंक दूसरी बार विश्व की सबसे सस्टेनेबल मेटल और माइनिंग कंपनी

कंपनी को 248 मेटल और माइनिंग कंपनियों में सर्वाधिक 86 अंक

ब्यूरो नवज्योति/उदयपुर। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने एसएण्डपी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट के 2024 संस्करण में लगातार दूसरे साल वैश्विक स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया। कंपनी ने 86 अंक प्राप्त करके 248 अन्य कंपनियों से बेहतर प्रदर्शन किया, जो रेस्पोंसिबल और सस्टेनेबल मैन्यूफैक्चरिंग के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एसएण्डपी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट एनवायरमेंटल, सोशियल एण्ड गवर्नेन्स प्रदर्शन का आंकलन करने के लिए दुनिया के सबसे प्रमुख मानदंडों में से एक है। यह ईएसजी मानदंडों के आधार पर कंपनियों का मूल्यांकन करता है, जो उनकी सस्टेनेबल कार्यप्रणाली का व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है। ये रैंकिंग कंपनियों के लिए उनके ईएसजी प्रदर्शन का आकलन करने एवं इसे मजबूत करने के क्षेत्रों की पहचान करने और ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी स्टेण्डर्डस के साथ संरेखित करने के लिए महत्वपूर्ण उपकरण

के रूप में कार्य करती है। गत वर्ष, हिन्दुस्तान जिंक ने 85 अंकों के साथ 2023 के मूल्यांकन के अनुसार मेटल और माइनिंग उद्योग में वैश्विक स्तर पर पहला स्थान हासिल किया था। इस वर्ष, हिन्दुस्तान जिंक ने क्लाइमेट स्ट्रेटेजी, कम्यूनिटी रिलेशंस, वेस्ट एण्ड पोल्यूटेंट्स जैसे प्रमुख मानदंडों में उच्चतम अंक हासिल किए।

ये उपलब्धियां पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक विकास, नैतिक शासन और नवाचार के संयोजन के साथ सस्टेनेबिलिटी के लिए कंपनी के एकीकृत और दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। इस उपलब्धि पर हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड की चैयरपर्सन और वेदांता लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने कहा कि हमें मेटल और माइनिंग क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी के रूप में मान्यता प्राप्त होने पर गर्व है, जो हमारे व्यवसाय के हर पहलू में सस्टेनेबिलिटी को एकीकृत करने के लिये किये गये हमारे प्रयासों को दर्शाता है। कम कार्बन वाले जिंक से लेकर सर्कुलर इकोनॉमी संचालन तक, हम सभी के लिए सस्टेनेबल भविष्य बनाने पर आधारित हैं।

यह मान्यता हमें सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारे संचालन से न केवल व्यवसाय को, बल्कि समुदायों और पर्यावरण को भी लाभ हो। कंपनी के लिए ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता कम करना रणनीतिक अनिवार्यता है, जिससे हर प्रक्रिया चरण में कार्बन उत्सर्जन कम हो। इस फोकस के परिणामस्वरूप, हिन्दुस्तान जिंक ने उत्पादन मात्रा में वृद्धि करते हुए वर्ष 2020 के आधार पर वित्त वर्ष 24 में अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की तीव्रता को 14 प्रतिशत तक कम कर दिया है। अपने स्थिरता प्रयासों को और मजबूत करते हुए, उत्तराखंड में कंपनी का पंतनगर प्लांट 100 प्रतिशत रिन्यूएबल एनर्जी पर संचालित है।